

سیمون فیٹل

گرینائٹ

3.4 x 2.4 x 2.4 میٹر ہر ایک

سیمون فٹل دمشق میں پیدا ہوئی، ان کی پرورش لبنان میں ہوئی اور فی الحال وہ پیرس میں مقیم ہیں۔ 1969 میں اس نے بصری آرٹسٹ کے طور پر کام کرنا شروع کیا، لبنان کی خانہ جنگی کے آغاز تک اپنی پینٹنگز کی نمائش کی۔ 1988 میں اس نے سان فرانسسکو کے آرٹ انسٹی ٹیوٹ میں داخلہ لیا، اپنا وقت اپنی فنکارانہ مشق اور مجسمہ سازی اور سیرامکس کے لیے ایک نئی لگن کے ساتھ وقف کیا۔ اس کا کام متعدد عوامی مجموعوں میں شامل ہے، جیسے سینٹر پومپو، پیرس اور قطر کے قومی عجائب گھر، دوحہ۔

مقام میں سیمون فٹل نے گرینائٹ کے تین مجسمے بنائے جن کی شکل کئی گنا زیادہ تھی جو ایک ہی وقت میں ٹیلے، تعمیر یا خیمے کے طور پر دیکھے جا سکتے ہیں۔

یہ تینوں شکلیں، قدرتی اور انسان ساختہ، فٹل کے عصری ڈھانچے میں یکجا ہیں اور انکا قطر کے زمینی تزئین اور تاریخ میں موجود آثار قدیمہ کے ساتھ گہرا تعلق ہے۔ یہ مجسمے برٹنی، فرانس میں بنائے گئے تھے اور قطر بھیجے گئے تھے۔ مقامی نیلے رنگ کے گرینائٹ کو خاص طور پر فنکاروں نے قدرتی طور پر گلابی ماحول میں نمایاں ہونے کے لیے، ایک طرح کے جغرافیائی نشان کے طور پر کام کرنے کے لیے منتخب کیا تھا۔



सिमोन फैटल

मक़ाम I, मक़ाम II, मक़ाम III, 2022

अल जुबराह



सिमोन फ़टल

ग्रेनाइट

3.4 x 2.4 x 2.4 मीटर प्रत्येक

सिमोन फटल का जन्म दमिश्क में हुआ, उनका पालन-पोषण लेबनान में हुआ और वर्तमान में वह पेरिस में रहती हैं। 1969 में उन्होंने एक दृश्य कलाकार के रूप में काम करना शुरू किया और लेबनानी गृहयुद्ध की शुरुआत तक अपने चित्रों का प्रदर्शन किया। 1988 में उन्होंने सैन फ्रांसिस्को के कला संस्थान में दाखिला लिया, और अपना समय अपने कलात्मक अभ्यास और मूर्तिकला और चीनी मिट्टी की चीज़ों के प्रति एक नए समर्पण के लिए समर्पित किया। उनका काम कई सार्वजनिक संग्रहों में शामिल है, जैसे सेंटर पोम्पीडू, पेरिस और कतर का राष्ट्रीय संग्रहालय, दोहा।

मक़ाम में सिमोन फटल ने कई आकार वाली तीन ग्रेनाइट मूर्तियां बनाईं जिन्हें एक बार में एक टीला, एक निर्माण या एक तम्बू के रूप में देखा जा सकता है।

ये तीन आकृतियाँ, दोनों प्राकृतिक और मानव निर्मित, फटल की समकालीन संरचनाओं में समाहित हैं और उन्हें कतर के परिदृश्य और इतिहास में मौजूद आदर्शों से गहराई से जोड़ती हैं। मूर्तियां फ्रांस के ब्रिटनी में बनाई गईं और कतर भेज दी गईं। स्थानीय नीले ग्रेनाइट को विशेष रूप से कलाकार द्वारा प्राकृतिक रूप से गुलाबी परिवेश में खड़े होने के लिए चुना गया था, जो एक प्रकार के भौगोलिक मील के पत्थर के रूप में कार्य करता था।